तेरी मटकन चटकन लटकन पे बलिहारी रे बलिहारी

तेरी मटकन चटकन लटकन पे बलिहारी रे बलिहारी
तेरी टेडी मुस्कनिया पे मैं तो वारी रे मैं वारी,
तेरी मटकन चटकन लटकन पे बलिहारी रे बलिहारी

इक वार जो कान्हा तुझको देखे वो लूट जाए,
लूट कर भी वो बांके बिहारी बार बार बलि जाए ,
तेरी अलीकां काली काली पे बलिहारी रे बलिहारी,
तेरी टेडी मुस्कनिया पे मैं तो वारी रे मैं वारी,
तेरी मटकन चटकन लटकन पे बलिहारी रे बलिहारी

कंकण किन किन नूपुर की ध्वनि सुन सुन मन हर्षावे,
प्रेम लोक में प्रेम अवसरा मन मन में पश्तावे
तेरी नूरपुर की ध्वनि प्यारी पे बलिहारी रे बलिहारी,
तेरी टेडी मुस्कनिया पे मैं तो वारी रे मैं वारी,
तेरी मटकन चटकन लटकन पे बलिहारी रे बलिहारी

है कृष्ण हमारे सर्वस कहती ब्रिज नार नवेली
यमुना जी भी ब्रिज कट पर करती नित नियत खेली,
तेरी अलबेली सुरतिया पे बलिहारी रे बलिहारी
तेरी टेडी मुस्कनिया पे मैं तो वारी रे मैं वारी,
तेरी मटकन चटकन लटकन पे बलिहारी रे बलिहारी

तेरे होठ माथुर रसीले तिरशे नैना बड़ी कटीले
धुन अंगना रस खोले मैया पीछे पीछे ढोले
तेरी तोतरि बातन बोलणिया पे अभिनन्द बलिहारी,
तेरी टेडी मुस्कनिया पे मैं तो वारी रे मैं वारी,
तेरी मटकन चटकन लटकन पे बलिहारी रे बलिहारी

Source:
https://www.bharattemples.com/teri-matkan-chatkan-latkan-pe-balihari-re-balihari/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw